नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत की वैश्विक छलांग का नया अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया पांच देशों, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा केवल औपचारिक कूटनीतिक दौरा नहीं थी, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती सामरिक और आर्थिक शक्ति का स्पष्ट संकेत भी थी. इस यात्रा ने यह स्थापित किया है कि भारत अब केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, तकनीक, रक्षा और सप्लाई चेन का निर्णायक साझेदार बन चुका है. सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्यापार और निवेश का रहा.

नीदरलैंड के साथ संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाना भारत की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है. सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम सिस्टम और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के केंद्र में खड़ा कर सकता है. दुनिया जिस समय चीन पर तकनीकी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रही है, उस समय भारत का विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरना महत्वपूर्ण है.

नॉर्वे के साथ संबंधों में भी नई ऊर्जा दिखाई दी. 43 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली नॉर्वे यात्रा थी. भारत-इएफटीए व्यापार समझौते के संदर्भ में निवेश और स्वच्छ ऊर्जा पर हुई चर्चा आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है. विशेष रूप से नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में संभावित निवेश यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेशकों का भरोसा भारत पर लगातार बढ़ रहा है. यूरोप के साथ भारत के संबंधों का एक और अहम पहलू भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता है. वर्षों से लंबित यह समझौता अब निर्णायक चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है. यदि यह सफल होता है तो भारतीय उद्योग, निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलेगा. यह 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को भी मजबूती देगा. रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर भी यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण रही. यूएई के साथ समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर हुए समझौते ऐसे समय में हुए हैं जब पश्चिम एशिया अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है. हिंद महासागर और अरब सागर में भारत की रणनीतिक उपस्थिति मजबूत होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत आवश्यक है.

नीदरलैंड के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी समझौता भी दूरगामी महत्व रखता है. साइबर सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग और रक्षा उपकरणों के सह-उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सहयोग भारत को रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएगा. यह स्पष्ट संकेत है कि अब भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन और तकनीकी सहयोग का साझेदार बनना चाहता है.

इस यात्रा का सबसे बड़ा संदेश राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता का रहा. हालिया चुनावी जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह सक्रिय वैश्विक कूटनीति दुनिया को यह भरोसा दिलाती है कि भारत अगले कई वर्षों तक स्थिर नेतृत्व और स्पष्ट आर्थिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ेगा. नॉर्डिक देशों के साथ ग्रीन हाइड्रोजन, ब्लू इकोनॉमी और टिकाऊ परिवहन पर बढ़ता सहयोग यह दिखाता है कि भारत केवल वर्तमान की जरूरतों पर नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था की तैयारी पर भी काम कर रहा है.

स्पष्ट है कि यह यात्रा भारत की विदेश नीति में एक नए आत्मविश्वास का प्रतीक है. भारत अब वैश्विक मंच पर संतुलनकारी शक्ति, विश्वसनीय आर्थिक साझेदार और उभरती तकनीकों के केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है.

इटली और भारत-इंडो एक रणनीतिक साझेदारी

नरेंद्र मोदी

> हम अपने साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं .भारतीय संस्कृति में धर्म का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करना चाहिए . वहीं वसुधैव कुटुंबकम्-अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में और भी अधिक प्रासंगिक लगता है . ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं . यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है .इसलिए हमारी साझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए भारत-इटली साझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है .

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं.हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है.यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं.ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है. यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है.

हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें.इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके.हम इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक—जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है—को भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं.यह केवल दो व्यवस्थाओं का साधारण मेल नहीं है, बल्कि ऐसा साझा मूल्य निर्माण है जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को और अधिक मजबूत बनाती हैं.

यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है.हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है.इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा.मेड इन इटली हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, और आज इसका स्वाभाविक तालमेल मेक इन इंडियापहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है. इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी - जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है - एक सकारात्मक संकेत है.यह हमारी सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी.

तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है.आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी.भारत का तेज़ी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या, तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता—इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है.दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसे मजबूती देगी. भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों, के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है.विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है.इटली और भारत लंबे समय से इस दिशा में सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो.

भारत और इटली एआई को समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम भी मानते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए.डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आसान, बहुभाषी तकनीकों के जरिए एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है, न कि उन्हें और बढ़ा सकता भारत के मानव विज़न- यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित एल्गोर-एथिक्स की अवधारणा, जो उसकी मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बने. हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके.

सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके.यही सोच इटली की जी7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है.एआई को इंसानों की ओर से इंसानों के लिए बनाई गई तकनीक मानने का अर्थ है यह स्पष्ट करना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है.इसका उपयोग जनमत को प्रभावित करने या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं होना चाहिए. आज की तेजी से जुड़ी हुई दुनिया में स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा का हमारा दृष्टिकोण इसी चुनौती पर आधारित है. हमारा सहयोग अंतरिक्ष क्षेत्र तक भी फैला हुआ है.अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है. राष्ट्रों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और स्थिरता बेहद आवश्यक हैं.इसलिए इटली और भारत रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तकनीकों जैसे क्षेत्रों में अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं.हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, तथा आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती बढ़ाने में मदद करेगा.

ऊर्जा हमारी साझेदारी का एक और महत्वपूर्ण आधार है.दुनिया में ऊर्जा के विविध स्रोतों की ओर बढ़ रहे बदलाव के लिए नवाचार, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है.भारत और इटली नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हाइड्रोजन तकनीक, तथा स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं. ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने की भारत की पहल अपार संभावनाएं रखती है.यह इटली की नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में उन्नत तकनीक और यूरोप के लिए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है. इस संदर्भ में भारत की अगुवाई वाली प्रमुख पहलों- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस (जीबीए) में अन्य देशों के साथ हमारा सहयोग भी बेहद महत्वपूर्ण है. भौतिक, डिजिटल और मानवीय संपर्क ही वह कड़ी है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती है.भारत और इटली दोनों वैश्विक अर्थव्यवस्था के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों-इंडो-पैसिफिक और भूमध्यसागर के केंद्र में स्थित हैं.अब इन क्षेत्रों को अलग-अलग नहीं, बल्कि आपस में जुड़े हुए क्षेत्रों के रूप में देखा जा रहा है.दरअसल, हम एक नए इंडो-मैडिटेरेनियन क्षेत्र के उभरने को देख रहे हैं, जो व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, डेटा और विचारों का एक महत्वपूर्ण गलियारा बन रहा है और हिंद महासागर को यूरोप से जोड़ता है.इसी आपस में जुड़े हुए क्षेत्र में हमारा संबंध स्वाभाविक रूप से एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित होता है- ऐसी साझेदारी, जो दो महाद्वीपों को जोड़ती है और नई वैश्विक परिस्थितियों को आकार देती है.

इस संदर्भ में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) एक ऐसी दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे, डिजिटल नेटवर्क, ऊर्जा प्रणालियों और मजबूत सप्लाई चेन के माध्यम से हमारे क्षेत्रों को जोड़ना है.भारत और इटली अन्य साझेदार देशों के साथ मिलकर इस दृष्टि को वास्तविकता में बदलने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं.

(लेखक देश के प्रधानमंत्री हैं)

दिल्ली डायरी

उप्र विस चुनाव के पहले इंडिया समूह की एकजुटता को लेकर संशय

प्रवेश कुमार मिश्र

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है कि क्या इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल मुख्यरूप से सपा व कांग्रेस उत्तर प्रदेश के चुनावी रणभूमि में एकजुटता के साथ सत्ताधारी मोर्चा के खिलाफ किलाबंदी कर पाएंगे ? क्या सपा व कांग्रेस के रणनीतिकार द्वारा दिल्ली, हरियाणा,पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों के कड़वे अनुभव को आधार बनाकर सत्ता विरोधी वोटों के बिखराव को रोकने के लिए एकजुटता का ठोस फार्मूला तैयार हो पाएंगे ?

चर्चा है कि उत्तर प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस अपने पूर्व की पराजय से बेपरवाह होकर अपने संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने में जुटी है उससे कुछ बड़े निर्णय की आहट सुनाई दे रही है. इतना ही नहीं सपा भी जिस तरह से अपने पारंपरिक रणनीति के अलावा चुनाव संचालित करने में मदद करने वाले प्रोफेशनल टीम के साथ बढ़ रही है उससे ऐसा लग रहा है कि सपा भी एकला चोलो को प्राथमिकता दे रही है. हालांकि दिल्ली में मौजूद दोनों दलों के रणनीतिकार गठबंधन के संदर्भ में कुछ भी कहने से बच रहे हैं लेकिन कुछ नेता मान रहे हैं कि समय का तकाजा है कि दोनों दलों के नेता अड़ियल रवैया को त्यागकर प्रांतीय स्तर पर भी इंडिया गठबंधन को मजबूत करेंगे.

अपने अपने दम पर पंजाब जीतने की कोशिश

पंजाब विधानसभा चुनाव चतुर्थकोणीय मुकाबले की ओर बढ़ रहा है. पिछले चुनाव में पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई थी और बाजी आप के हाथ लगी थी. लेकिन इस बार पंजाब की राजनीतिक हालात कुछ बदल रहे हैं. चर्चा है कि भाजपा की मजबूत इंट्री ने पंजाब की राजनीति में सबसे पहले अकाली दल की ताकत कम हुई है.

भाजपाई रणनीतिकारों ने अकाली दल से हाथ मिलाकर चलने के बजाय अपनी जमीनी ताकत मजबूत करने की रणनीतिक तैयारी आरंभ कर दी है. उधर कांग्रेसी रणनीतिकार भी पूर्व की गलतियों से सबक लेते हुए बहुकोणीय मुकाबला में अपनी खोई जमीन पर कब्जा करने की रणनीति बनाई है. चर्चा है कि भाजपा डबल इंजन की सरकार वाले मॉडल को पंजाबी मतदाताओं के सामने रखकर क्षेत्रीय दलों को चुनौती देने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है. यानी पंजाब में चारों प्रमुख दावेदार एकला चलो की नीति से सत्ता पर काबिज होने के प्रयास में लगे हैं.

सतीशन को कमान सौंपकर कांग्रेस ने दिया बड़ा संदेश

केरल में वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री का पद सौंपकर कांग्रेस आलाकमान ने दूरगामी संदेश दिया है. इस निर्णय के बाद एकबार फिर मध्यप्रदेश का राजनीतिक प्रयोग सुर्खियों में है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यदि ऐसा निर्णय मध्यप्रदेश में हुआ होता तो आज मध्यप्रदेश में कांग्रेस की स्थिति कुछ और होती. राजस्थान की राजनीति भी इसी कड़ी में चर्चा का विषय बनी हुई है. इसी वजह से ज्यादातर कांग्रेसी यह कह रहे हैं कि देर आए दुरूस्त आए. इतना ही नहीं केन्द्र में बैठे नेताओं की मजबूत लाबिंग और अभेद्य कवच को जिस तरह से सतीशन ने अपनी जमीनी ताकत से तोड़ने को मजबूर किया और हाईकमान खासकर राहुल गांधी ने उसे तरजीह दी उसकी चौतरफा तारीफ भी हो रही है. कहा जा रहा है कि केरल निर्णय से स्पष्ट हो गया है कि अब कांग्रेस बदलाव की ओर बढ़ चली है और यह निर्णय दूरगामी संदेश से परिपूर्ण है.

नीतीश की छाया से मुक्त होने के प्रयास में सम्राट सरकार

बिहार में जिस तरह से नीतीश युग की समाप्ति के साथ अब सम्राट युग का आगाज हुआ है उसी जल्दबाजी में भाजपा की अगुवाई वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छाया यानी सत्ता पर मौजूद प्रतिकात्मक दबाव से बाहर आने में जुट गई है . पिछले दिनों विभाग बंटवारे वाले सरकारी दस्तावेज में जदयू कोटा के दोनों उपमुख्यमंत्री के नाम के आगे से उपमुख्यमंत्री नहीं लिखा गया था बाद में आंतरिक हंगामे के बाद सुधारा गया . इसके बाद जितने भी होर्डिंग व बैनर इन दिनों लग रहे है उसमें से ज्यादातर बैनर से नीतीश कुमार के अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री का फोटो गायब रह रहा है . हालांकि इस संबंध में जदयू की ओर से औपचारिक रूप से कुछ नहीं कहा जा रहा है लेकिन आंतरिक चर्चा में यह कहा जा रहा है कि सत्ता-हस्तांतरण के समय यह कहा गया था कि नीतीश कुमार की छाया यानी उसके तैयार रास्ते पर ही सरकार चलेगी . इतना ही नहीं सम्राट सरकार ने जिस तरह से अधिकारियों का तबादला आरंभ किया है वह भी बहुत कुछ कह रहा है .

रुपया चला सेंचुरी मारने की ओर

रुपए की महिमा अपरंपार है . क्रिकेट खिलाड़ी सेंचुरी बनाते हैं तो रुपया भी क्यों पीछे रहे! उसने डॉलर के मुकाबले 96 का स्कोर बना लिया है और जल्दी ही सेंचुरी मार सकता है . उसकी यह उपलब्धि देखकर वित्त मंत्री, वित्त सचिव, रिजर्व बैंक के गवर्नर सभी वाह-वाह करने लगेंगे . लोग गर्व से कहेंगे- मोदी हैं तो मुमकिन है! सत्तापक्ष रुपए को देखकर 'रूप तेरा मस्ताना, प्यार मेरा दीवाना' गुनगुना सकता है . यह वही रुपया है जिसके कागजी स्वरूप ने नोटबंदी की अग्निपरीक्षा झेली थी . उसकी महिमामंडित घोषणा करने के लिए रात में संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था . रुपए के अलग-अलग अवतार हुए हैं . महारानी विक्टोरिया के शासनकाल में भारत का रुपया विशुद्ध चांदी का रहा करता था . रुपए का वजन 1 तोला होता था इसलिए सरकारी खजाने से गिनने की बजाय रुपयों को तराजू में तौलकर बोरों में भरकर सैलरी भेजी जाती थी और एकदम सही अमाउंट निकलती थी . इसका उल्लेख देश के पूर्व वित्तमंत्री चिंतामण द्वारकादास देशमुख ने अपनी पुस्तक में किया है . चांदी का रुपया बाद में गिलट का बन गया और इस समय उसको छोटे से स्टेनलेस स्टील के सिक्के के रूप में देखा जाता है जिसका आकार पुरानी चवन्नी जितना है . समय के साथ 1, 2 व 5 रुपए के नोट गायब हो गए . फिलहाल सबसे छोटा नोट 10 रुपए का है . रुपए को लेकर महमूद ने गाया था- बाप बड़ा ना भैया, दि होल थिंग इट दैट कि सबसे बड़ा रुपैया ! आज भी रुपए के सिक्के से टॉस किया जाता है कि कौन सी टीम पहले बैटिंग करेगी . फिल्म 'शोले' में अमिताभ बच्चन के पास रुपए का ऐसा सिक्का रहता है जिसके दोनों बाजू (आब्वर्स और रिवर्स) एक जैसे रहते हैं . उसे उछालने पर चित ही आता है, पट नहीं! आलमाइटी डॉलर हमारे रुपए को लगातार पटकनी दे रहा है . सरकार ने 2023 व 2024 में कृत्रिम रूप से रुपए को 82-83 के स्तर पर बनाए रखने की कोशिश की थी . विदेशी मुद्रा कोष से डॉलर बेचकर रुपए को संभाला जाता रहा . अब ऐसा करने की जरूरत नहीं . रुपए को उसके हाल पर छोड़ देना ही अच्छा !

-चंद्रमोहन द्विवेदी

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ . सागर खादीवाला

CROSS WORD 12263

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	■	3	4	5	6	
7		■	8				■
9		10	■	11		■	12
■	■	13		■	14	15	
16	17		■	18			
19			20	■	■	21	
22		■	23	24	25		
26			■	27		■	■

ऊपर से नीचे
1. पांच अंगों वाला, पांच अंगों से युक्त तिथिपत्र 2. छोटी कटार 3. किस समय ? कभी नहीं 4. बड़ा, मुखिया 5. लड़ने के लिए चिल्लाकर बुलाना, लड़ने की चुनौती देना 6. माता का पिता, अनेक प्रकार के 10. परिवर्तन, तब्दीली 12. मनोरथ, मनोकामना, अभिप्राय 15. जिसका सिर कट गया हो 16. हक या अधिकार रखने वाला 17. बड़प्पन, महत्ता 20. गीला 24. बतख के आकार का एक जलपक्षी जो बड़ी-बड़ी झीलों में पाया जाता है 25. चारागाह, दासी, दूती.

बाएं से दाएं
1. कीचड़, दलदल 3. विष्णु (सं.) 7. तमाचा, चपत 8. दुख या चिंता की बात भूलकर चित्त दूसरी ओर लगना 9. दरिद्र, निर्धन, दीनहीन 11. पूर्णिमा, पूर्णिमा की रात 13. व्यथा, दुख, पीड़ा 14. रस या आनंद लेने वाला, रसिया 16. चढाई, आक्रमण, प्रहार 18. वाराणसी 19. लोकोक्ति, मसल, उक्ति 21. ऊंचाई 22. खैरात, देने का कार्य 23. उत्सुकतापूर्ण लालसा, चसका 26. एक प्रकार का कंद, पिंडालू 27. छोटा तालाब, झरना, सोता

Solution 12262

अ	प	का	र	क	■	इ	■
मा	ह	■	■	म	हा	रा	ज
न	र	क	■	जो	र	दा	र
त	■	म	दा	री	■	■	वा
■	पो	ला	■	■	अं	क	रा
पा	■	क्षी	र	सा	ग	र	■
टी	ला	■	ब	ध	■	मा	था
■	ज	ल	या	न	■	ला	ली

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भाईयों के सहयोग से अचल संपत्ति में वृद्धि होगी, दाम्पत्य जीवन सुखमय मधरता पूर्ण रहेगा, भाईयों का कार्यक्षेत्र में सहयोग रहेगा, वर्ष के मध्य में नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वर्ष के अन्त में अनिश्चय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा, आजीविका के क्षेत्र में अचानक चिन्ता रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा, वातावरण सुखद रहेगा,कर्क राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कर्मचारियों के सहयोग से लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जीवन में मधुरता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का आजीविका में लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष के प्रति विशेष सजगता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, मिलनसार, होगा, यदि मिथुन हुई तो सुन्दर, एवं व्यक्तित्व मधुर होगा, चालाकी का अभाव रहेगा, किसी भी कार्य को सूझबूझ और विवेक से करेगा, न्यायप्रिय और माता पिता का भक्त होगा.

मेष- तनाव की स्थिति में परिवार का सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य नरम गरम रह सकता है, व्यवसायिक दिनचर्या में व्यस्त रहेंगे, समय पर काम न होने से मन दुखी होगा.

वृषभ- निजी कार्यो को पूरा करने में परेशानी होगी, नई जबावदारी संभावलना पड़ेगी, साहसक प्रयत्न से महत्वपूर्ण कार्यो की पूर्ति होगी, मानसिक सुख संतोष रहेगा.

मिथुन- बदले माहौल में खुद को ढालना मुश्किल होगा, वैभव पर खर्च की संभावना है, शत्रु पक्ष पर सफ्लता मिलेगी, मानसिक शांति बनी रहेगी.

कर्क- दुविधा को छोड़कर काम में जुट जायें, सफ्लता मिलेगी, जोखिम के कार्यो से दूर रहें, वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा, सुख ऐश्वर्य की प्राप्ति होगीं

सिंह- भाग्यवर्धक अवसर हाथ में आ सकते हैं, संतान पक्ष के कारण मानसिक कष्ट होगा, लेखन, अध्ययन, में सफ्लता मिलेगी, राजनैतिक संलग्नता बनी रहेगी.

कन्या- जोखिम के कार्यो में रूचि बढेगी, दिखावे के कारण कर्ज की समस्या बन सकती है, स्वास्थ्य का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

तुला- अनुभवी लोगों का साथ केरियर की नई दिशा देने में सहायक रहेगा, कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, अभीष्ट कार्यो की प्राप्ति होगी.

वृश्चिक- कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी, बैचारिक गतिरोध दूर होंगे, पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा, प्रियजनों के साथ कार्य में मदद प्राप्त होगी.

धनु- कार्यक्षेत्र की उलझनें धीरे धीरे दूर होने लगेंगी, धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी, मानसिक सुख एवं संतोष रहेगा, इच्छानुसार कार्य बनेंगे.

कामकाज को लेकर सहयोगियों से अनबन हो सकती है, अधिकारियों के विवाद से बचना चाहिये, मान सम्मान से प्रसन्नता रहेगी, नया खर्च सामने आयेगा.

कुम्भ- धन की कमी से रूके कार्य फिर से शुरू हो सकते हैं, आकस्मिक अतिथि आगमन से खर्च की व्यवस्था करनी होगी, परिश्रम एवं दौड़धूप अधिक करना होगा.

मीन- भाग्य भरोसे रहे तो अच्छा अवसर हाथ से निकल जायेगा, कामकाज में अड़चनें आयेंगी, यात्रा में परेशानी का अनुभव होगा, सावधानी बांछनीय है.

उदयकालीन ग्रह चाल

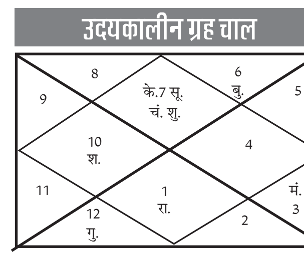

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी बुधवासर दिन 3/57, आर्द्रा नक्षत्र दिन 10/53, शूल योगे रात 7/5, विष्टि करणे सू.उ. 5/21, सू.अ. 6/39, चन्द्रमार मिथुन रात 3/49 से कर्क, पर्व- वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से अरहर मूंग, मोठ, जौ, उडद, में तेजी होगी, बिनौला, घी, तेल, में भी समता रहेगी, रूई, कपास में मंदी का योग है, भाग्यांक 3975 है.

SUDOKU 7395

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7394

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5